>

Title: Need to include private schools under Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan all over the country particularly in Uttarakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल) :

~~+Ã‰Ã‰nÂ®hÃ‰Ã‰Ã'ÂªÃ‰Ã‰ Ã Ã‰cÃ‰Ã¤nÂªÃ‰Ã‰, मैं +Ã‰Ã‰{Ã‰BÃ‰EÃ¤ Ã Ã‰Ã‰vÂªÃ‰Ã Ã‰ ÂºÃ‰Ã¤~~ इस सदन का ध्यान राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। केन्द्र सरकार द्वारा यह अभियान सारे देश में व्यापक रूप से चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को भारी धन आबंटन भी किया है। अभियान का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 8 के बाद पढ़ाई छोड़ देने वाले बच्चों के लिए आगे शिक्षा जारी रखने, 14-18 वर्ष के बच्चों के लिए गुणवत्ता युक्त शिक्षा, आर्थिक व शैक्षिक रूप से पिछड़ी बालिकाओं, विक्लांगों, ग्रामीण एवं वंचित वग के बच्चों के लिए माध्यमिक शिक्षा को सुलभ बनाना है। जोकि केन्द्र सरकार द्वारा की गई एक सराहनीय पहल है व जिसके लिए वह बधाई की पात्र है। इस अभियान को केवल राजकीय विद्यालयों तक ही सीमित किया गया है। जिससे अशासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थी इसके लाभ से वंचित है। मैं यहां यह बताना चाहता हूं कि देश के विभिन्न राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश विशेषकर उत्तराखण्ड राज्यों में सरकारी विद्यालयों की संख्या काफी कम है जबकि गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संख्या काफी अधिक है। गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों को इसमें सम्मिलित किए बिना इस योजना के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना मुश्किल होगा और इन विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ यह अन्याय है।

महोदया, यह समस्या सारे देश की है। अतः समान शिक्षा व्यवस्था के लिए हमारी शिक्षा नीति में एकरूपता होनी चाहिए। मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह इतने उद्देश्यपूर्ण राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान में राजकीय विद्यालयों के साथ-साथ अशासकीय विद्यालयों को भी सम्मिलित करे जिससे इसका लाभ संपूर्ण विद्यार्थियों तक समान रूप से सुनिश्चित हो सके।

(vii) Need to expedite the admission process in Jawahar Navodaya Vidyalayas in the country.